

रक्षा मंत्रालय
मांग संख्या 22
रक्षा पेंशन

(₹ करोड़)

	वास्तविक 2015-2016			बजट 2016-2017			संशोधित 2016-2017			बजट 2017-2018		
	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़	राजस्व	पूंजी	जोड़
कुल	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
वसूलियां
प्राप्तियां
निवल	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
क. वसूलियों को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है												
केन्द्र का व्यय												
केन्द्र का स्थापना व्यय												
1. पेंशन और अन्य सेवा निवृत्ति लाभ												
1.01 थलसेना	54116.17	...	54116.17	74041.67	...	74041.67	75681.80	...	75681.80	77105.89	...	77105.89
1.02 नौसेना	2310.92	...	2310.92	3172.29	...	3172.29	3488.53	...	3488.53	3303.58	...	3303.58
1.03 वायुसेना	3773.63	...	3773.63	5085.49	...	5085.49	6421.89	...	6421.89	5295.95	...	5295.95
जोड़- पेंशन और अन्य सेवा निवृत्ति लाभ	60200.72	...	60200.72	82299.45	...	82299.45	85592.22	...	85592.22	85705.42	...	85705.42
2. रिटायर्ड-थलसेना, नौसेना, वायुसेना	36.88	...	36.88	33.21	...	33.21	33.74	...	33.74	34.58	...	34.58
जोड़-केन्द्र का स्थापना व्यय	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
कुल जोड़	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
ख. विकास शीर्ष												
सामान्य सेवाएं												
1. पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
जोड़-सामान्य सेवाएं	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00
कुल जोड़	60237.60	...	60237.60	82332.66	...	82332.66	85625.96	...	85625.96	85740.00	...	85740.00

पेंशन का प्रभार उपलब्ध कराता है। इसमें सेवा पेंशन, उपदान, पारिवारिक पेंशन, अशक्तता पेंशन, पेंशन का संराशीकरण मूल्य, छुट्टी नकदीकरण आदि का भुगतान शामिल है।

1. **पेंशन और अन्य सेवा निवृत्ति लाभ:** रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत रक्षा पेंशन, तीन सेनाओं अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायुसेना के सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों (रक्षा असेनिक कर्मचारियों सहित) तथा आयुध निर्माणियों आदि के भी कर्मचारियों के संबंध में

यह अत्यधिक आवश्यकता मुख्यतः पेंशनरों की संख्या में हुई वृद्धि वन पेंशन के महंगाई राहत और बकाया के कारण हैं।